24-10-2020

गोवा सैंड ड्यून पार्क

प्रश्न – निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए –

1. विश्व बैंक ने गोवा राज्य जैव विविधता बोर्ड के समुद्र तटीय सैंड ड्यून के संरक्षण से संबन्धित प्रोजेक्ट के लिए 3 करोड़ रूपये की सहायता मंजूर की है।
2. सैंड ड्यून बालू के छोटे-छोटे टीले होते है जो सामान्यतः रेतीले रेगिस्तानों या रेतीले समुद्र तटों में देखने को मिलते हैं।

उपरोक्त में से कौन-से/सा कथन सत्य है –

(A) केवल 1 (B) केवल 2

(C) 1 और 2 (D) कोई नहीं

उत्तर – 1 और 2

भूमिका – हाल ही में विश्व बैंक ने गोवा को अपने समुद्र तटीय सैंड ड्यून (रेत के टीलों) पार्क के विकास के लिए 3 करोड़ रूपये की सहायता प्रदान की है।

परीक्षा उपयोगी बिंदु –

- इसके तहत गोवा में भारत का पहला समुद्र तटीय सैंड ड्यून (बालू का टीला) पार्क स्थापित किया जाएगा और इसके साथ इंटरप्रिटेशन केंद्र भी खोले जायेंगे।
- इंटरप्रिटेशन केंद्र एक प्रकार के शैक्षणिक केंद्र होगे जहां स्थानीय नागरिकों और पर्यटकों को समुद्रतटीय सैंड ड्यून के तहत एवं उनके संरक्षण के प्रति जागरूक किया जाएगा।
- सैंड ड्यून बालू के छोटे-छोटे टीले होते हैं जो सामान्यतः रेतीले रेगिस्तानों या रेतीले समुद्र तटों में देखने को मिलते हैं।
- समुद्रतटीय सैंड ड्यून समुद्र तट से स्थल की ओर चलने वाली हवाओं की क्रिया से बने कम ऊंचाई वाले रेल के टीले होते हैं जो ज्वार से प्रभावित समुद्र तट से कुछ पीछे स्थित होते है।
- इन्हें बनने में कई वर्ष लगते हैं, ये हवा में उड़ती रेत के समुद्र तट की सीमा घास या अन्य स्थिर वस्तुओं में फंसकर एकत्र होने से बनते हैं।
- तटीय वनस्पति के अभाव में, हवा और नहरें नियमित रूप से इन टीलों के रूप और स्थान को बदलती रहती है।
- तटीय विनियमन क्षेत्र नोटिफिकेशन 2011 के तहत ये सैंड ड्यून तटीय विनियमन क्षेत्र I (a) के अंतर्गत पारिस्थितिक रूप से संवेदनशील क्षेत्र माने गए हैं।
- ये ऐसी भू-आकृतिक संरचनाएं है जो तट की अखंडता बनाए रखने के लिए महत्वपूर्ण है।

DOWNLOAD KAUTILYA ACADEMY APP FROM GOOGLE PLAY STORE
AND GET FREE DAILY CURRENT AFFAIRS

संयुक्त राष्ट्र परमाणु प्रतिबंध संधि

प्रश्न – निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए

1. इस संधि के विरोध के मुख्य कारणों में अमेरिका का मानना है कि यह संधि दुनिया को निःशस्त्रीकरण के दौर में ले जा सकती है जो आधी सदी पुरानी परमाणु अप्रसार संधि के लिए खतरनाक है जिसे वैश्विक अप्रसार प्रयासों के लिए मील का पत्थर माना जाता है।
2. संयुक्त राष्ट्र परमाणु हथियारों पर प्रतिबंध संधि में किसी भी प्रकार के परमाणु हथियारों से जुड़ी गतिविधियों में भाग लेने पर प्रतिबंधो को शामिल किया गया है।

उपरोक्त में से कौन–से/सा कथन सत्य है ?

(A) केवल 1 (B) केवल 2

(C) 1 और 2 (D) कोई नहीं

उत्तर – 1 और 2

भूमिका – हाल ही में अमेरिका ने परमाणु हथियारों पर प्रतिबंध लगाने वाली संयुक्त राष्ट्र की संधि का विरोध किया है। अमेरिका ने इस संधि का समर्थन करने वाले देशों को पत्र लिखकर इससे पीछे हटने की अपील की है।

परीक्षा उपयोगी बिंदु –

- अमेरिका ने परमाणु हथियारों पर प्रतिबंध लगाने वाली संयुक्त राष्ट्र की संधि का अनुसमर्थन करने वाले देशों से यह अपील की है कि वे इसका समर्थन न करें।
- इस संधि को लागू करने के लिए 50 देशों के अनुसमर्थन की जरूरत है और इस संधि के समर्थकों का कहना है कि इसे इस सप्ताह मंजूरी मिल सकती है।
- 5 मूल परमाणु शक्तियां रूस, अमेरिका, चीन, ब्रिटेन और फ्रांस तथा अमेरिका के नाटो सहयोगी इस संधि के संभावित नतीजों को लेकर अमेरिका के विरोध का समर्थन कर रहे है।
- संयुक्त राष्ट्र परमाणु हथियारों पर प्रतिबंध संधि में किसी भी प्रकार के परमाणु हथियारों से जुड़ी गतिविधियों में भाग लेने पर प्रतिबंधो को शामिल किया गया है।
- इस संधि को 7 जुलाई 2017 को संयुक्त राष्ट्र द्वारा अपनाया गया था और महासचिव द्वारा 20 सितंबर 2017 को सदस्य देशों के हस्ताक्षर के लिए देशों के समक्ष रखा गया था!

आईएनएस कावरत्ती

प्रश्न – निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए

1. आईएनएस कावरत्ती का नाम लक्षद्वीप की राजधानी कावारत्ती के नाम पर रखा गया है।
2. आईएनएस कावारत्ती को भारत में निर्मित हाईग्रेड डीएमआर 249 A स्टील से बनाया गया है।

DOWNLOAD KAUTILYA ACADEMY APP FROM GOOGLE PLAY STORE
AND GET FREE DAILY CURRENT AFFAIRS

3. युद्धपोत का संपूर्ण सुपर ढांचा मिश्रित सामग्री से बनाया गया है।

उपरोक्त में से कौनसे/सा कथन सत्य है ?

(A) केवल 1 (B) केवल 2

(C) केवल 3 (D) उपरोक्त सभी

उत्तर – उपरोक्त सभी

भूमिका – थल सेनाध्यक्ष जनरल मनोज मुकुंद नरवने ने 22 अक्टूबर 2020 को नौसैनिक, डॉकयार्ड, विशाखापत्तनम में आयोजित एक समारोह में प्रोजेक्ट 28 के अंतर्गत निर्मित रडार से बच निकलने वाले पनडुब्बी रोधी युद्धपोत आईएनएस कावारत्ती को भारतीय नौसेना के बेड़े में शामिल किया गया।

परीक्षा उपयोगी बिंदु –

- आईएनएस कावारत्ती का नाम लक्षद्वीप की राजधानी कावारत्ती के नाम पर रखा गया है।
- इस युद्धपोत की लंबाई 109 मीटर, चौड़ाई 14 मीटर और वजन 3300 टन है और यह भारत में निर्मित सबसे ज्यादा प्रभावशाली पनडुब्बी रोधी युद्धपोत है।
- युद्धपोत का संपूर्ण सुपर ढांचा मिश्रित सामग्री से बनाया गया है।
- यह चार डीजल इंजनो से लैस है। युद्धपोत में रडार से बच निकलने की विशेषता है। रडार की पकड़ में नहीं आने वाले इस युद्धपोत का शत्रु आसानी से पता नहीं लगा सकेगा।
- आईएनएस कावारत्ती इसी नाम के तत्कालीन युद्धपोत अरनाला क्लास मिसाइल (आईएनएस कावारत्ती पी 80) का अवतार है।

DOWNLOAD KAUTILYA ACADEMY APP FROM GOOGLE PLAY STORE
AND GET FREE DAILY CURRENT AFFAIRS